

स्वदेशी एंटीबायोटिक नैफथिरोमाइसनि

स्रोत: पी.आई.बी

हाल ही में भारत ने **रोगाणुरोधी प्रतिरोध (Antimicrobial Resistance- AMR)** से निपटने के उद्देश्य से भारत की पहली स्वदेशी एंटीबायोटिक नैफथिरोमाइसनि लॉन्च की।

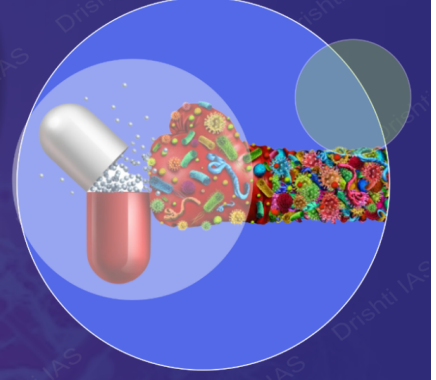
- नैफथिरोमाइसनि को **जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (BIRAC)** के सहयोग से विकसित किया गया तथा वॉकहार्ट द्वारा इसे मकिनाफ ब्रांड नाम के तहत इसका विपणन किया गया था।
 - नैफथिरोमाइसनि 30 वर्षों में अपनी श्रेणी का **पहला नया एंटीबायोटिक** है, जो AMR के विरुद्ध लड़ाई में एक बड़ी सफलता है।
- इसे **सामुदायिक-अधिरहति जीवाणुजनित नमोनिया (CABP)** के उपचार के लिये डिज़ाइन किया गया है, जो [?] जैसे दवा प्रतिरोधी बैक्टीरिया के कारण होता है।
- यह लॉन्च **वर्ल्ड AMR जागरूकता सप्ताह (18-24 नवंबर) 2024** के अवसर पर हो रहा है, जिसका विषय है 'एक साथ रोगाणुरोधी प्रतिरोध को रोकना'।

//



रोगाणुरोधी प्रतिरोध (AntiMicrobial Resistance-AMR)

सूक्ष्मजीवों में रोगाणुरोधी दवाओं के प्रभाव का विरोध करने की क्षमता



AMR में वृद्धि के कारण

- संक्रमण नियंत्रण/स्वच्छता की खराब स्थिति
- एंटीबायोटिक दवाओं का अति प्रयोग
- सूक्ष्मजीवों का आनुवंशिक उत्परिवर्तन
- नई रोगाणुरोधी दवाओं के अनुसंधान एवं विकास में निवेश का अभाव

AMR विकसित करने वाले सूक्ष्मजीवों को 'सुपरबग' कहा जाता है

AMR के प्रभाव

- ↑ संक्रमण फैलने का खतरा
- संक्रमण को इलाज को कठिन बना देता है; लंबे समय तक चलने वाली बीमारी
- ↑ स्वास्थ्य सेवाओं की लागत

उदाहरण

- K निमोनिया में AMR के कारण कार्बापेनेम (Carbapenem) एंटीबायोटिक्स प्रतिक्रिया करना बंद कर देते हैं
- AMR माइक्रोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस, रिफैम्पिसिन-प्रतिरोधी टीबी (RR-टीबी) का कारण बनता है
- दवा प्रतिरोधी HIV (HIVDR) एंटीरेट्रोवाइरल (ARV) दवाओं को अप्रभावी बना रहा है

WHO द्वारा मान्यता

- AMR की पहचान वैश्विक स्वास्थ्य के लिये शीर्ष 10 खतरों में से एक के रूप में
- वर्ष 2015 में GLASS (ग्लोबल एंटीमाइक्रोबियल रेसिस्टेंस एंड यूज सर्विलांस सिस्टम) लॉन्च किया गया

AMR के खिलाफ भारत की पहलें

- टीबी, वेक्टर जनित रोग, एड्स आदि का कारण बनने वाले रोगाणुओं में AMR की निगरानी।
- वन हेल्थ के दृष्टिकोण के साथ AMR पर राष्ट्रीय कार्य योजना (2017)
- ICMR द्वारा एंटीबायोटिक स्टीवर्डशिप प्रोग्राम

न्यू देल्ही मेटालो-बीटा-लैक्टामेज़-1 (NDM-1) एक जीवाणु एंजाइम है, जिसका उद्भव भारत से हुआ है, यह सभी मौजूदा β -लैक्टम एंटीबायोटिक्स को निष्क्रिय कर देता है

अधिक पढ़ें: [रोगाणुरोधी प्रतिरोध](#)